खेल साक्षरता प्रसार वाहन

भारत भ्रमण

तृतीया चरण- भोपाल से जयपुर

स्पोर्ट्स : ए वे ऑफ लाईफ

तृतीय यात्रा प्रारम्भ : 4 अगस्त, 2021

स्थान: बंगरसिया, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 'खेल साक्षरता प्रसार वाहन' को तीसरे चरण के लिए खेल उपकरण से रवाना करते हुऐ सैयद जलालुद्दीन रिज़वी अर्जुन अवॉर्डी साथ में अन्य हॉकी खिलाड़ी।

'खेल साक्षरता प्रसार वाहन' खेल उपकरण से रवाना करने आये सैयद जलालुद्दीन रिज़वी अर्जुन अवॉर्डी साथ में अन्य हॉकी खिलाड़ी।

तृतीया चरण में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 'खेल साक्षरता प्रसार वाहन' को हॉकी खिलाडियों के द्वारा रवाना करते हुऐ साथ में संस्था के सदस्यगण।

तृतीया चरण में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 'खेल साक्षरता प्रसार वाहन' को रवाना करते हुऐ।

मीडिया कवरेज

खेलों की अलग जगाने भारत भ्रमण को निकले डॉ. पांडे

झांसी, 06 अगस्त (तरुणमित्र)। एक तरह जब दुनिया ओलंपिक खेलों के रोमांच में डूबी हुई है उसी समय एक शख्स भारत में खेलों के प्रति जागरूकता और जज्बा जगाने को भारत भ्रमण पर निकला है। इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों जब देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं। डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित

गाजियाबाद, लखनऊ, झांसी होते हुए भोपाल पहुंची यात्रा

खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने तरुण मित्र से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फीसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से झांसी होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंच चुकी है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं। यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है। यह काम इतना बड़ा है जो गाजियाबाद- लखनऊ से शुरू होकर झांसी होते हुए भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

ओलंपिक खेलों को देश के गांवों में पहुंचा रहा 'खेल साक्षरता प्रसार' वाहन

भोपाल@पत्रिका. पूरा विश्व ओलंपिक खेलों के जश्न में डूबा है। वहीं 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' एनजीओ ओलंपिक से संबंधित खेलों को देश के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। यह संस्था 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाए बिना ओलंपिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है। खेल साक्षरता प्रसार

वाहन इस दिशा में एक पहल है। यह यह मप्र के सागर, विदिशा से होता हुआ भोपाल पहुंची। टीम ने कलेक्टर अविनाश लवानिया से भेंट कर प्रदेश सरकार को संबोधित एक ज्ञापन खेलों को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में सौंपा। खेल साक्षरता प्रसार वाहन ने भोपाल के ग्रामीण इलाकों में भी जागरुकता की अलख जगाईं। इस कड़ी में यह वाहन बंग रसिया पहुंचा।

नईदुनिया

Sports News: देश में पहली बार खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा भोपाल पहुंची

Sports News:भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। परा विश्व ओलिंपिक के रोमांच में डूबा है, इसी बीच एक संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ' के माध्यम से ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। बुधवार को देश में पहली बार खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा भोपाल पहुंची है।

इस संस्था ने 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रही है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है। गाजियाबाद से शुरू होकर प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में किया था। इस यात्रा को देश के विख्यात पूर्व ओलम्पियंस, अर्जुन पुरस्कार विजेता तथा द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में रवाना किया था।

लखनऊ पहुंचने पर उप्र के उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश चन्द शर्मा ने "स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ' के खेल साक्षरता प्रसार वाहन को दूसरे चरण में भोपाल के लिए रवाना किया था। बुधवार को यह वाहन सागर, विदिशा होते हुए भोपाल पहुंचा। भोपाल में संस्था की टीम कलेक्टर अविनाश लवानियां खेलों को बढ़ावा देने के जापन सम्बन्ध में सौंपा गया। अर्जुन अवार्डी ओलिंपियन सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने इस वाहन का स्वागत किया। साथ ही क्षेत्र के बच्चों ने खेल साक्षरता को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संस्था के अध्यक्ष डा. कनिष्क पाण्डेय से संवाद किया। श्री रिजवी ने कहा खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक एवं गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है। यह बहुत ही अच्छा मिशन है, जिसके तहत जो किताबे वितरित की जा रही हैं। वाहन बंगरसिया पहुंचा। गांव में बच्चों, बजुर्गों तथा वृद्धों सभी ने खेल साक्षरता वाहन को लेकर काफी उत्साह देखा गया। इस गांव के बच्चों ने हाकी स्टिक दिखाकर इस वाहन को आगे के लिये रवाना किया।

स्टार समाचार

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

स्टार समाचार | भोपाल

अगरत इंसानी जिंदगी में खेल की जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या आवश्यकता है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है मगर जनसंख्या के अनुपात में हमारे देश का प्रतिनिधित्व संतोषजनक नहीं कहा जा सकता इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का ना होना नहीं है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति लाए, इसके लिए डॉक्टर कनिष्क पांडे भारत यात्रा पर निकले हुए हैं। डॉक्टर पांडे स्पोर्ट्स के और लाइफ के जरिए ओलंपिक में सम्मिलित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है यही कारण है कि खेल साक्षरता महज 5% ही है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ दो फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को साक्षर बनाया जाए, तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉक्टर पांडे ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी

और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी इस यात्रा के जरिए लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है। गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रचार वाहन में एक बड़ी एलईडी लगी हुई है जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जाती हैं। इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा कि मैंने इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं उन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है वह काबिले तारीफ है यह कारवां इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और वह आगे के लिए जा रहा है।

जिला भोपाल (04/08/2021)

भोपाल के जिलाधिकारी अविनाश लवानिया को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।

भोपाल जिले के बंगरसिया गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुऐ संस्था के सदस्य।

भोपाल जिले के बंगरसिया गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुऐ।

ALLOVERINDIANEWS
न्यूज़ हर तरफ की

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

IANS | Edited By : IANS | Updated on: 04 Aug 2021, 07:55:01 PM

भोपाल 4 अगस्त:
इंसानी जिंदगी में खेल भी जरुरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं । वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरुरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरु हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरु किया है, वह काबिले तारीफ है।यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरु होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया ।

पीपुल्स समाचार iamBhopalofficial 9582826011

iam BHOPAL

स्पोर्ट्स अवेयरनेस के लिए डॉ. कनिष्क ने शुरू की प्रचार यात्रा

रिपोर्टर • IamBhopal
Mobile no. 9827030406

खेलों के प्रति अलख जगाने डॉ. कनिष्क पांडे भारत यात्रा पर प्रचार वाहन लेकर निकले हैं। वे 'स्पोर्ट्स फॉर लाइफ' के जरिए ओलिंपिक में शामिल खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। पूर्व ओलिंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा कि मैं इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है। भोपाल में यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा भोपाल आई

साक्षरता प्रसार वाहन को देखते कलेक्टर लवानिया (दाएं)। ● सौजन्य आयोजक

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। पूरा विश्व ओलिंपिक के रोमांच में डूबा है। इसी बीच एक संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे आफ लाइफ के माध्यम से ओलिंपिक से संबंधित खेलों को भारत के गांव–गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। बुधवार को देश में पहली बार खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा भोपाल के बंगरसिया होते हुए बड़े तालाब पहुंची। संस्था 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल साक्षरता अभियान चला रही है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पांड्ेय हैं गाजियाबाद से शुरू होकर प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, कस्बों और कई जिलों में होते हुए प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में किया था। इस यात्रा को देश के विख्यात पूर्व ओलिंपियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता तथा द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में रवाना किया था। लखनऊ पहुंचने पर उप्र के उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश चन्द्र शर्मा ने खेल साक्षरता प्रसार वाहन को दूसरे चरण में भोपाल के लिए रवाना किया था। बुधवार को यह वाहन सागर, विदिशा होते हुए भोपाल पहुंची। भोपाल में संस्था की टीम ने कलेक्टर अविनाश लवानिया खेलों को बढ़ावा देने के ज्ञापन संबंध में सौंपा। इस यात्रा का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थापित खेल प्रतिष्ठानों को पुनर्जीवित करना और खेलों का प्रसार करना है। है। अर्जुन अवार्डी ओलिंपियन सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने इस वाहन का स्वागत किया। संस्था के साथ ओलिंपियन जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेंद्र झाझड़िया और अशोक ध्यानचंद जुड़े हुए हैं।

ASE News

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

ASE News Team 4 August 2021 7:31 PM IST

भोपाल 4 अगस्त (आईएएनएस)। इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं । वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है।यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया ।

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

By admin admin Wed, 4 Aug 2021

भोपाल 4 अगस्त (आईएएनएस)। इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं । वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है।यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

NEWS NATION

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

IANS | Edited By : IANS | Updated on: 04 Aug 2021, 07:55:01 PM

(source : IANS) (Photo Credit: (source : IANS))

भोपाल 4 अगस्त: इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं । वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है।यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया ।

बदलते जमाने का अखबार
पीपुलस समाचार

स्पोर्ट्स अवेयरनेस के लिए डॉ. कनिष्क ने शुरु की प्रचार यात्रा

05 Aug 2021 01:58 AM

खेलों के प्रति अलख जगाने डॉ. कनिष्क पांडे भारत यात्रा पर प्रचार वाहन लेकर निकले हैं। वे 'स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ' के जरिए ओलिंपिक से संबंधित खेलों को गांव- गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। पूर्व ओलिंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा कि मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है। भोपाल में यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा।

राष्ट्रीय पत्रिका
हिंदी समाचार पत्र

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

IANS | Edited By : IANS | Updated on: 04 Aug 2021, 07:55:01 PM
(source : IANS) (Photo Credit: (source : IANS))

भोपाल 4 अगस्त:
इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं । वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

खेलों के प्रति अलख जगाने के लिए युवा निकला देश की यात्रा पर

लाइव हिंदी खबर :- इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है। इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता।

इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं। डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है। गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है।यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है। यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया।

भारतीय राजनीति की दुनिया में सबसे सुंदर महिलाएं
Ad: Herbeauty

Top 12 Most Famo Women
Ad: Brainberries

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

By admin admin Wed, 4 Aug 2021

भोपाल 4 अगस्त (आईएएनएस)। इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

भोपाल 4 अगस्त (आईएएनएस)। इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं । वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है।यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया ।

खेलों की अलग जगाने भारत भ्रमण को निकले डॉ. पांडे

झांसी, 06 अगस्त (तरुणमित्र)। एक तरह जब दुनिया ओलंपिक खेलों के रोमांच में डूबी हुई है उसी समय एक शख्स भारत में खेलों के प्रति जागरूकता और जज्बा जगाने को भारत भ्रमण पर निकला है। इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों जब देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्क पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं। डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित

गाजियाबाद, लखनऊ, झांसी होते हुए भोपाल पहुंची यात्रा

खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने तरुण मित्र से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फीसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से झांसी होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंच चुकी है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं। यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है। यह काम इतना बड़ा है जो गाजियाबाद- लखनऊ से शुरू होकर झांसी होते हुए भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

Sports awareness caravan in city

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: 'Sports: A Way of Life' mission awareness team reached Bhopal on Friday. Founded by a Lucknow lad, Kanishka Pandey, the objective of the mission is to educate people on sports literacy.

The team in a van that was flagged off from Lucknow will be covering most Indian cities and the rural hamlets talking to people and making them aware about sports.

The activities have been undertaken to coincide with the Olympics, that has generated much interest among people about sports.

Arjuna awardee hockey Olympian, Jalaluddin Rizvi was the chief guest of a function organised near Upper Lake. Rizvi said that such an initiative is good to increase sports literacy among citizens in the country.

Founder of the mission, Pandey said, "Mission had recently conducted a nationwide survey to gauge the public mood vis-a-vis participation in various sports activities. The survey proved to be an eye-opener. According to the findings, less than 5% of people have interest in sports, whereas less than 2% females were interested in sports. We want to increase it."

ON A MISSION

"Sports is a way of life and the organization is dedicated to promoting sports literacy in India especially among villagers and those parts of town where people are least aware of sports, as it believes that sports talents could be spotted from such places," Pandey added.

जिला सिहोर (05/08/2021)

सिहोर के कलेक्टर चन्द्र मोहन ठाकुर को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।

सिहोर जिले के लसुडिया परिहार गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुऐ संस्था के सदस्य।

सिहोर जिले के लसुडिया परिहार गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुऐ।

जनसम्पर्क विभाग, मध्यप्रदेश
जिला जनसंपर्क कार्यालय, सिहोर

देश में पहली बार खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा

भोपाल के बच्चों ने किया वाहन को किया रवाना

सीहोर / 05-अगस्त-2021

0

जब पूरा विश्व ओलम्पिक खेलों के जश्न में डूबा हुआ है, वहीं " स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ " एनजीओ ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव - गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। ज्ञातव्य है कि " स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ " एनजीओ सन् 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डा. कनिष्क पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत् है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत् ही हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलम्पिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जोकि गाजियाबाद से 9 जुलाई से शुरू होकर प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में किया था। इस यात्रा को देश के विख्यात पूर्व ओलम्पियंस, अर्जुन पुरस्कार विजेता तथा द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में रवाना किया था।

"स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ " एनजीओ द्वारा चलाये जा रहे खेल साक्षरता प्रसार वाहन को दूसरे चरण में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंचा। यह वाहन मध्य प्रदेश के सागर, विदिशा, शहरों से होता हुआ यह वाहन आज भोपाल पहुंचा। भोपाल में संस्था की टीम द्वारा जिलाधिकारी, भोपाल श्री अविनाश लवानियां से भेंट कर प्रदेश सरकार को सम्बोधित एक ज्ञापन खेलों को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में सौंपा गया।

वीआईपी रोड गोहर महल भी खेल साक्षरता वाहन पहुंचा। देश के प्रख्यात ओलम्पियंस और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने इस वाहन का स्वागत किया। साथ ही क्षेत्र के बच्चों ने खेल साक्षरता को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डा. कनिष्क पाण्डेय से संवाद किया और ओलम्पिक खेलों की जानकारी लेने वाली बच्चों ने फिल्में भी देखी। इस अवसर पर अर्जुन पुरस्कार विजेता श्री जलालुद्दीन रिजवी ने बताया कि मेरे इतने लम्बे खेल जीवन में, खेलों को जन - जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक एवं गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है। इसके लिये मैं बधाई देता हूँ। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देना जो मिशन रखा है। एक खिलाड़ी होने के नाते तथा भोपाल का निवासी होने के नाते शुक्रिया अदा करता हूँ। यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल और अब आगे के लिये जा रही है। यह बहुत ही अच्छा मिशन है, जिसके तहत जो किताबे वितरित की जा रही हैं, उसमें एल्फा - बेटीकल खेलों एवं खिलाड़ियों के नाम भी लिखे हुये हैं तथा जो कलेण्डर वितरित किये जा रहे हैं उससे जाहिर होता है कि बच्चों को खेलों की तरफ जागरुक करना ही उद्देश्य है।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन ने भोपाल के ग्रामीण इलाकों में भी जागरुकता की अलख जगाई। इस कड़ी में यह वाहन बंगरसिया पहुंचा। गांव में बच्चों, बजुर्गो तथा वृद्धों सभी ने खेल साक्षरता वाहन को लेकर काफी उत्साह देखा गया। इस गांव के बच्चों ने हाकी स्टिक दिखाकर इस वाहन को आगे के लिये रवाना किया।

इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुये हैं, जिनमें श्री जफर इकबाल, श्री गोपाल सैनी, श्री देवेन्द्र झाझड़िया तथा हाकी के महान खिलाड़ी स्व. मेजर ध्यानचन्द जी के सुपुत्र श्री अशोक ध्यानचन्द ओलम्पियन आदि हैं। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता श्री गौरव खन्ना, अर्जुन पुरस्कार विजेता श्री विजय सिंह चौहान, पैरा ओलम्पियन पलक कोहली तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता, श्री रणवीर सिंह भी हैं।

खेल साक्षरता प्रचार वाहन का कलेक्टर ने किया अवलोकन

लसूड़िया परिहार में पहुंचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन, बच्चों को वितरित की गई खेल सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

साक्षरता प्रसार वाहन सीहोर जिले के लसूडिया परिहार गांव पहुंचा। ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरूष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुंचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी तीन डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई गई। कलेक्टर चंद्र मोहन ठाकुन ने खेल प्रचार वाहन का अवलोकन किया।

साथ ही साथ हमारी संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पांडेय ने बच्चों को ओल पिक खेलों के बारे में तो बताया ही, साथ ही साथ उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सके और चरित्र निर्माण के श्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया।

लसूडिया परिहार में पहुंचने के बाद खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएँ खेल प्रवेशिका, तथा खेल वर्णमाला पर बना कलैंडर बच्चों वितरित किया गया।

यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है।

सीहोर जिले के लसुडिया परिहार में पहुँचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

खेल साक्षरता प्रचार वाहन का कलेक्टर ने किया अवलोकन

सीहोर, । साक्षरता प्रसार वाहन सीहोर जिले के लसुडिया परिहार गांव पहुँचा। ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरूष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी तीन डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई गई। कलेक्टर चन्द्र मोहन ठाकुर ने खेल प्रचार वाहन का अवलोकन किया ।

साथ ही साथ हमारी संस्था 'स्पोर्ट्स: ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ0 कनिष्क पाण्डेय ने बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में तो बताया ही, साथ ही साथ उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के श्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया। लसुडिया परिहार में पहुँचने के उपरान्त खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाऐं खेल प्रवेशिका, तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों वितरित किया गया। यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है।

लसूड़िया परिहार पहुंचा साक्षरता प्रसार वाहन

सीहोर। साक्षरता प्रसार वाहन जिले के लसूड़िया परिहार गांव पहुंचा। ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुंचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी तीन डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई गई। कलेक्टर चंद्र मोहन ठाकुन ने खेल प्रचार वाहन का अवलोकन किया। ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में तो बताया ही, साथ ही साथ उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिए से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के श्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया। लसूड़िया परिहार में पहुंचने के बाद खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाऐं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों वितरित किया गया। यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। (नप्र)

ग्रामीण बच्चों के बीच पहुंचा खेल प्रसार वाहन

सीहोर. साक्षरता प्रसार वाहन ग्राम लसुडिया परिहार पहुंचा. ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरूष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुंचे. इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी तीन डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई गई. कलेक्टर चन्द्र मोहन ठाकुर ने खेल प्रचार वाहन का अवलोकन किया.

साथ ही साथ हमारी संस्था स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में तो बताया. उन्होंने हर उम्र के

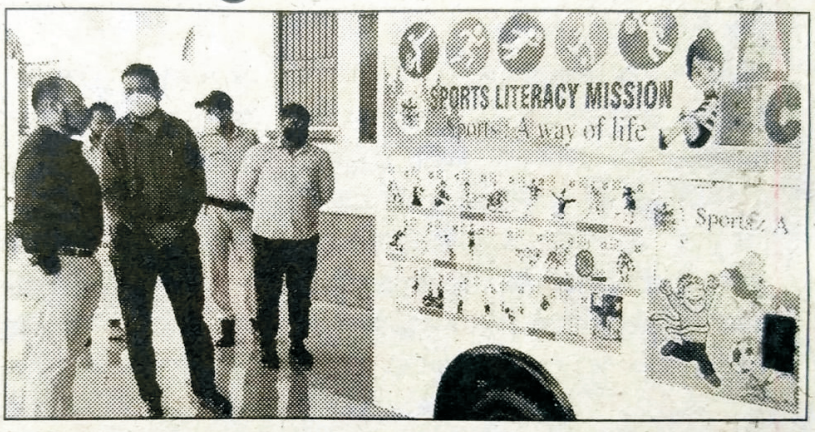

लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से न देखने का आग्रह किया. खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के श्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया. खेल के ऊपर बनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाऐं प्रवेशिका, तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर वितरित किया गया.

जिला राजगढ़ (05/08/2021)

राजगढ़ के कलेक्टर नीरज कुमार सिंह आईएएस को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।

राजगढ़ जिले के कुरावर गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर व खेल पुस्तिका भेंट करते हुऐ संस्था के सदस्य।

राजगढ़ जिले के कुरावर गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुऐ।

जिला झालावाड़ (06/08/2021)

झालावाड जिले के कलेक्टर हरी मोहन मीना आईएएस को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।

झालावाड जिले के दुर्गपुरा गांव की सरपंच को खेल कलैण्डर भेंट करते हुऐ संस्था के सदस्य।

झालावाड जिले के दुर्गपुरा गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुऐ।

जिला कोटा (07/08/2021)

राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो आर. ए. गुप्ता को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।

कोटा जिले के ताथेड गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुऐ संस्था के सदस्य।

कोटा जिले के ताथेड गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुऐ।

क नवज्योति | सिटी light
www.dainiknavajyoti.com
सच्चा हमसफर

खेल साक्षरता पुरुषों में 5 प्रतिशत, महिलाओं में मात्र 2.5 प्रतिशत ही

जागृति लेकर खेल रथ पहुंचा ताथेड

नवज्योति/ कोटा।

देश में खेलों के प्रति जागरूकता एवं बढ़ावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को जिले के ताथेड़ गांव पहुंचा जहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियों कांन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्बोधित करते हुए बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के स्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया।

खेल साक्षरता रथ द्वारा बच्चों को वर्णमाला बांटते हुए।

उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रसार वाहन को गाजियाबाद से 9 जुलाई को जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झाझाड़िया तथा हॉकी के महान खिलाड़ी स्व. मेजर ध्यानचन्द के पुत्र अशोक ध्यानचन्द की उपस्थिति में गाजियाबाद से शुरू की गई है। जो प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा लखनऊ में मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुये हैं।

यात्रा के दौरान ताथेड में पहुंचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाऐं, खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर वितरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। कोटा तकनीकी विष्वविद्यालय के कुलपति आर.ए. गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया।

उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ एन.जी.ओ. 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डा. पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलम्पिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है। उन्होंने बताया कि आज जब पूरा विश्व ओलम्पिक खेलों के जश्न में डूबा हुआ है, वहीं स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ एनजीओ ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है।

प्रचार रथ की विशेषताएं

प्रचार रथ में एक एल.सी.डी. स्क्रीन लगी हुई है, जिसके माध्यम से किसी ग्राम में ठहराव के समय बच्चों के लिये स्पोर्ट्स आधारित फिल्में दिखाई जाती हैं। स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफके अध्यक्ष द्वारा की गई मूल शोध की प्रतिलिपि सरपंचों को उपलब्ध करवायी जाती है ताकि वो खेल मूल्यों को समक्ष सकें और यह भी जान सकें कि कैसे खेल से उनके चरित्र का निर्माण होगा और इसकी जानकारी ग्रामीणों के साथ साक्षा कर सकेंगे।

वाहन के ऊपर हिन्दी और अंग्रेजी की वर्णमाला को लगाया गया है साथ ही साथ देश में ओलंपिक पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के चित्र भी उकेरी गई है। ताकि बच्चे उन्हें पहचान सकें।

खेल साक्षरता रथ जिले के ताथेड गांव में पहुँचा

कोटा 8 अगस्त। देश में खेलों के प्रति जागरूकता एवं बढावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को जिले के ताथेड़ गांव पहुंचा जहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियों कांन्फ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित करते हुए बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के स्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। कोटा तकनीकी विष्वविद्यालय के कुलपति आर.ए. गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया।

दैनिक नवज्योति Kota City - 09 Aug 2021 - Page 8

दैनिक नवज्योति | सिटीlight www.dainiknavajyoti.com सच्चा हमसफर

खेल साक्षरता पुरुषों में 5 प्रतिशत, महिलाओं में मात्र 2 .5 प्रतिशत ही

जागृति लेकर खेल रथ पहुंचा ताथेड

नवज्योति/कोटा।

देश में खेलों के प्रति जागरूकता एवं बढावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को जिले के ताथेड़ गांव पहुंचा जहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्बोधित करते हुए बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के स्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रसार वाहन को गाजियाबाद से 9 जुलाई को जफर इकबाल, गोपाल

खेल साक्षरता रथ द्वारा बच्चों को वर्णमाला बांटते हुए।

सैनी, देवेन्द्र झाझाड़िया तथा हॉकी के महान खिलाड़ी स्व. मेजर ध्यानचन्द के पुत्र अशोक ध्यानचन्द की उपस्थिति में गाजियाबाद से शुरू की गई है। जो प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा लखनऊ में मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुये हैं।

यात्रा के दौरान ताथेड में पहुंचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएं, खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर वितरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। कोटा तकनीकी विष्वविद्यालय के कुलपति आर.ए. गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया।

उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ एन.जी.ओ. 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डा. पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलम्पिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है। उन्होंने बताया कि आज जब पूरा विश्व ओलम्पिक खेलों के जश्न में डूबा हुआ है, वहीं ह्यास्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ एनजीओ ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है।

प्रचार रथ की विशेषताएं

प्रचार रथ में एक एल.सी.डी. स्क्रीन लगी हुई है, जिसके माध्यम से किसी ग्राम में ठहराव के समय बच्चों के लिये स्पोर्ट्स आधारित फिल्में दिखाई जाती हैं। स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफके अध्यक्ष द्वारा की गई मूल शोध की प्रतिलिपि सरपंचों को उपलब्ध करवायी जाती है ताकि वो खेल मूल्यों को समक्ष सकें और यह भी जान सकें कि कैसे खेल से उनके चरित्र का निर्माण होगा और इसकी जानकारी ग्रामीणों के साथ साक्षा कर सकेंगे।

वाहन के ऊपर हिन्दी और अंग्रेजी की वर्णमाला को लगाया गया है साथ ही साथ देश में ओलंपिक पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के चित्र भी उकेरी गई है। ताकि बच्चे उन्हें पहचान सकें।

उपस्थित रहेंगे। कीर्ति राठौर के संयुक्त अभियान से इस पर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा हुसैन, दिलीप नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अपने संबोधन में माहेश्वरी लिए बच्चों के अस्पताल को 40 लाख

खेलों के प्रति जागरुकता के लिए शुरू किया गया खेल साक्षरता रथ जिले के ताथेड़ गांव में पहुंचा

कोटा, (निसं)। देश में खेलों के प्रति जागरुकता एवं बढ़ावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को जिले के ताथेड़ गांव पहुंचा जहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित करते हुए बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आव्हान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के स्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रसार वाहन को गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 को जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झाझाड़िया तथा हॉकी के महान खिलाड़ी स्व. मेजर ध्यानचन्द के पुत्र अशोक ध्यानचन्द की उपस्थिति में गाजियाबाद से शुरू की गई है। जो प्रदेश के सैकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा लखनऊ में मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुये हैं।

खेलों के प्रति जागरुकता के लिए शुरू किये गये खेल साक्षरता रथ द्वारा जिले के ताथेड़ गांव में बच्चों को वर्णमाला बांटी गई।

यात्रा के दौरान ताथेड में पहुंचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएं, खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर वितरित किया गया।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुडकर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। कोटा तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति आर.ए. गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया। उन्होंने बताया कि "स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ" एन.जी.ओ. 2017 से देश में खेल को बढावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रही है।

संस्था के अध्यक्ष डा. पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत् है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलम्पिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है। उन्होंने बताया कि आज जब पूरा विश्व ओलम्पिक खेलों के जश्न में डूबा हुआ है, वहीं "स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ" एनजीओ ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है।

प्रचार रथ की विशेषताएं:- प्रचार रथ में एक एल.सी.डी. स्क्रीन लगी हुई है, जिसके माध्यम से किसी ग्राम में ठहराव के समय बच्चों के लिये स्पोर्ट्स आधारित फिल्में दिखाई जाती हैं। "स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ" के अध्यक्ष द्वारा की गई मूल शोध की प्रतिलिपि सरपंचों को उपलब्ध करवायी जाती है ताकि वो खेल मूल्यों को समझ सकें और यह भी जान सकें कि कैसे खेल से उनके चरित्र का निर्माण होगा और इसकी जानकारी ग्रामीणों के साथ साझा कर सकेंगे। वाहन के ऊपर हिन्दी और अंग्रेजी की वर्णमाला को लगाया गया है साथ ही साथ देश में ओलंपिक पदक जीतने वाले खिलाडियों के चित्र भी उकेरी गई हैं। ताकि बच्चे उन्हें पहचान सकें।

भारत यात्रा पर निकला खेल साक्षारता प्रसार वाहन तथेड़ पहुँचा

युवा खिलाड़ी डॉ. कनिष्क पाण्डेय कर रहे ग्रामीण भारत को खेलों के प्रति साक्षर

कोटा तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन भी सौंपा

कार्यालय संवाददाता

कोटा, 8 अगस्त। खेल साक्षरता प्रसार वाहन, कोटा जिले के तथेड गांव पहुँचा। नेहरू युवा केन्द्र कोटा के पंजीकृत आदर्श स्वामी विवेकानंद युवा मण्डल के सहयोग से तथेड में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरूष के साथसाथ सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन, एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है।

इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। साथ ही साथ संस्था 'स्पोर्ट्सः ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने इन ग्रामीणों को वीडियों काफ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित किया।

उन्होंने इन बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में तो बताया, साथ ही साथ उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया तथा उनके गाँव अपने का वायदा भी किया।

इस यात्रा के दौरान तथेड़ में पहुँचने के उपरान्त खेल पर बनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएं, खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों के बीच वितरित किया गया।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा आदर्श स्वामी विवेकानंद युवा मण्डल उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया।

कोटा तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति आर.ए. गुप्ता को खेल के अनुकूल माहौल बनाने के लिए मांगों का ज्ञापन भी सौंपा गया।

खेल साक्षरता रथ जिले के ताथेड़ गांव में पहुंचा

कोटा @ पत्रिका. देश में खेलों के प्रति जागरूकता एवं बढ़ावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं की ओर से गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को कोटा जिले के ताथेड़ गांव पहुंचा। जहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों संबंधी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्बोधित करते हुए बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन को गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 को जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झाझाड़िया तथा हॉकी खिलाड़ी स्व. मेजर ध्यानचन्द के पुत्र अशोक ध्यानचन्द की उपस्थिति में गाजियाबाद से शुरू की गई थी। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुए हैं। यात्रा के दौरान ताथेड़ में पहुंचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिक, खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर वितरित किया गया।

भवन बनाएगा। इसके लिए वार्ता चल रही है।

4500 रुपए मानदेय के साथ लगाया गया था,

मैं बाकी 6 माह की तनख्वाह का चेक तुझे दे

जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

खेल साक्षरता रथ का ताथेड़ पहुंचने पर स्वागत

संदेश न्यूज। कोटा.

देश में खेलों के प्रति जागरूकता एवं बढ़ावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं द्वारा गाजियाबाद से 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को ताथेड़ पहुंचा। यहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया। खेल साक्षरता वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' अध्यक्ष डॉ.कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिए से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम, जिससे कि वो स्वस्थ रह सके तथा चरित्र निर्माण के स्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रसार वाहन को गाजियाबाद से गत् 9 जुलाई को जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झांझड़िया तथा महान खिलाड़ी स्व. मेजर ध्यानचन्द के पुत्र अशोक ध्यानचन्द की उपस्थिति में गाजियाबाद से रवाना किया गया। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुए हैं। इस दौरान कोटा तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति आर.ए.गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया गया।

स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर जेके पैवेलियन में बंटी मिठाई

संदेश न्यूज। कोटा. ओलम्पिक में नीरज चोपड़ा द्वारा स्वर्ण पदक जितने पर रविवार सुबह सभी खिलाड़ियों ने जे.के. पैवेलियन स्टेडियम एकत्रित होकर एक-दूसरे को मुंह मिठा करवाया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री जगदीश जिंदल, अरविन्द कपूर बिट्टा, एथलेटिक्स कोच एवं पूर्व राष्ट्रीय स्तरीय गोला फैंक खिलाड़ी श्याम नाहर, यथार्थ सुवालका, रिकु मीना, आदि उपस्थित थे।

ओलंपिक्स में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का जश्न मनाया

संदेश न्यूज। कोटा. जब से ओलंपिक्स खेलों की शुरूआत हुई है तब से भारत फील्ड एंड ट्रैक गेम्स में गोल्ड के इंतजार में रहा, जिसे इस बार भारत के जेवलिन थ्रोअर नीरज चौपड़ा ने गोल्ड जीत कर समाप्त कर दिया। ओलंपिक्स खेलों में 121 वर्षों के इंतजार के बाद फील्ड एंड ट्रैक में मिले गोल्ड मैडल का जश्न सोसाइटी हैस ईव शी इंटरनेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा कोटा बैराज पर टोक्यो ओलंपिक्स समापन के दिन राष्ट्रगान जन गण मन गाकर, केक काटकर व आगामी पेरिस ओलंपिक्स में भारत की सफलता के लिए दीप जलाकर ट्रस्टी डॉ. निधि प्रजापति, राष्ट्रीय स्तर की खिलाडी ज्योति भदोरिया, जेवलिन थ्रोअर अन्नू जोशी राजोरिया, हॉकी खिलाडी कविता शर्मा, रीना खंडेलवाल, राजलक्ष्मी, विजय निगम ने उपस्थित आमजन के साथ मिलकर मनाया गया। अंत में वहां उपस्थित सभी लोगों ने मिलकर देश की सफलता में राष्ट्रगान, ये देश है वीर जवानों का गीत गाते हुए नाचते हुए भारत माता की जय, भारतीय खिलाडी जिंदाबाद के नारे लगाए।

दैनिक भास्कर
कोटा 09-08-2021

ताथेड़ में ग्रामीणों को खेलों का बताया महत्व

कोटा| खेल साक्षरता प्रसार वाहन ताथेड़ गांव पहुंचा। नेहरू युवा केन्द्र कोटा के पंजीकृत आदर्श स्वामी विवेकानंद युवा मण्डल ग्राम ताथेड़ के सहयोग से गांव में बच्चे, महिला, पुरुष के साथ सरपंच भी उत्सुकता से खेल साक्षरता वाहन देखने पहुंचे। यह वाहन 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं द्वारा गाजियाबाद से 9 जुलाई को रवाना किया था। इसमें लगी एलसीडी स्क्रीन पर 3 खेल डॉक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीसी के जरिए सम्बोधित किया। साथ ही कोटा विवि के कुलपति आरए गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया।

जिला बूंदी (08/08/2021)

बूंदी जिले के एडीएम अमानुल्लाह खान को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।

बूंदी जिले के हरणा गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुऐ संस्था के सदस्य।

बूंदी जिले के हरणा गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुऐ।

टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव में पहुँचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

कार्यालय संवाददाता

टोंक(बढ़ता राजस्थान)। खेल साक्षरता प्रसार वाहन टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव पहुँचा। इस गाँव में भारी तादाद में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरूष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे।

इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। साथ ही संस्था च्स्पोट्र्स- ए वे ऑफ लाइफज् के अध्यक्ष डॉ0 कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियों कांन्फ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित किया। उन्होंने इन बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उनके गाँव आने का वायदा भी किया। यह भी आश्वस्त किया कि उनके गाँव के लिए प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने का अनुरोध करेंगे और खेल उपकरण भी उपलब्ध कराने का प्रयत्न करेंगे। पाण्डेय ने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने बल्कि खेल को एक मनोरंजन तथा शारीरिक व्यायाम के रूप में अपनाने पर जोर दिया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। इस यात्रा के दौरान गांव बनेडिया चारणान में पहुँचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाऐं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों के बीच वितरित किया गया। बच्चों के हाथ जैसे ही यह पुस्तिका लगी वो खुशी-खुशी इस खेल वर्णमाला को पढ़ते देखे गये।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने च्स्पोट्र्स- ए वे ऑफ लाइफज् के अध्यक्ष डॉ0 कनिष्क पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। जिला कलेक्टर, टोंक चिन्मयी गोपाल को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जोकि गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 से शुरू होकर प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में मध्यप्रदेश की यात्रा पर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुये हैं, जिनमें जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झाझाड़िया तथा हॉकी के महान खिलाड़ी स्व0 मेजर ध्यानचन्द जी के सुपुत्र अशोक ध्यानचन्द ओलम्पियन आदि हैं। गाजियाबाद में इस यात्रा की शुरूआत देश के इन्हीं प्रख्यात खिलाड़ियों द्वारा की गई।

टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव में पहुंचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

खबरों की दुनिया

टोंक । खेल साक्षरता प्रसार वाहन टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव पहुँचा। इस गाँव में भारी तादाद में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरूष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। साथ ही संस्था 'स्पोर्ट्स- ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ0 कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियों कांन्फ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित किया।

उन्होंने इन बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उनके गाँव आने का वायदा भी किया। यह भी आश्वस्त किया कि उनके गाँव के लिए प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने का अनुरोध करेंगे और खेल उपकरण भी उपलब्ध कराने का प्रयत्न करेंगे।

पाण्डेय ने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने बल्कि खेल को एक मनोरंजन तथा शारीरिक व्यायाम के रूप में अपनाने पर जोर दिया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। इस यात्रा के दौरान गांव बनेडिया चारणान में पहुँचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाऐं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों के बीच वितरित किया गया। बच्चों के हाथ जैसे ही यह पुस्तिका लगी वो खुशी-खुशी इस खेल वर्णमाला को पढ़ते देखे गये।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने 'स्पोर्ट्स- ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। जिला कलेक्टर, टोंक चिन्मयी गोपाल को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जोकि गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 से शुरू होकर प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में मध्यप्रदेश की यात्रा पर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुये हैं, जिनमें जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झाझड़िया तथा हॉकी के महान खिलाड़ी स्व0 मेजर ध्यानचन्द जी के सुपुत्र अशोक ध्यानचन्द ओलम्पियन आदि हैं। गाजियाबाद में इस यात्रा की शुरूआत देश के इन्हीं प्रख्यात खिलाड़ियों द्वारा की गई। ज्ञातव्य है कि ''स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ'' एन.जी.ओ. सन् 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डा0 कनिष्क पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत् है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत् ही हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलम्पिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है।

टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव में पहुँचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

कार्यालय संवाददाता

टोंक(बनास वरदान)। खेल साक्षरता प्रसार वाहन टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव पहुँचा। इस गाँव में भारी तादाद में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरूष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई।

साथ ही संस्था चम्पोट्र्स- ए वे ऑफ लाइफज् के अध्यक्ष डॉ0 कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियों कांन्फ्रेसिंग के जरिये सम्बोधित किया। उन्होंने इन बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उनके गाँव आने का वायदा भी किया। यह भी आश्वस्त किया कि उनके गाँव के लिए प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने का अनुरोध करेंगे और खेल उपकरण भी उपलब्ध कराने का प्रयत्न करेंगे। पाण्डेय ने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने बल्कि खेल को एक मनोरंजन तथा शारीरिक व्यायाम के रूप में अपनाने पर जोर दिया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। इस यात्रा के दौरान गांव बनेडिया चारणान में पहुँचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाऐं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों के बीच वितरित किया गया। बच्चों के हाथ जैसे ही यह पुस्तिका लगी वो खुशी-खुशी इस खेल वर्णमाला को पढ़ते देखे गये।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने चम्पोट्र्स- ए वे ऑफ लाइफज् के अध्यक्ष डॉ0 कनिष्क पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। जिला कलेक्टर, टोंक चिन्मयी गोपाल को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जोकि गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 से शुरू होकर प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में मध्यप्रदेश की यात्रा पर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुये हैं, जिनमें जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झाझाड़िया तथा हॉकी के महान खिलाड़ी स्व0 मेजर ध्यानचन्द जी के सुपुत्र अशोक ध्यानचन्द ओलम्पियन आदि हैं। गाजियाबाद में इस यात्रा की शुरूआत देश के इन्हीं प्रख्यात खिलाड़ियों द्वारा की गई।

ज्ञातव्य है कि स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ् एन0जी0ओ0 सन् 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डा0 कनिष्क पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत् है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत् ही हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलम्पिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है।

टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव में पहुँचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

टोंक (ताज भारती)। खेल साक्षरता प्रसार वाहन टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव पहुँचा। इस गाँव में भारी तादाद में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरूष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स् ीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। साथ ही संस्था ''स्पोर्ट्स ए वे ऑफलाइफ'' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीड़ियों कांन्फ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित किया। उन्होंने इन बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उनके गाँव आने का वायदा भी किया। यह भी आश्वस्त किया कि उनके गाँव के लिए प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने का अनुरोध करेंगे और खेल उपकरण भी उपलब्ध कराने का प्रय करेंगे। पाण्डेय ने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने बल्कि खेल को एक मनोरंजन तथा शारीरिक व्यायाम के रूप में अपनाने पर जोर दिया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्य म का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। इस यात्रा के दौरान गांव बनेडिया चारणान में पहुँचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाऐं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों के बीच वितरित किया गया। बच्चों के हाथ जैसे ही यह पुस्तिका लगी वो खुशी-खुशी इस खेल वर्णमाला को पढ़ते देखे गये। इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने ''स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ'' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। जिला कलेक्टरए टोंक चिन्मयी गोपाल को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जो कि गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 से शुरू होकर प्रदेश के सैंकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में मध्यप्रदेश की यात्रा पर बढ़ रहा है।

जिला टोंक (09/08/2021)

टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुऐ संस्था के सदस्य।

टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुऐ।

हरणा गांव में जागरूकता प्रसार वाहन से खेल साक्षरता

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। ''स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ'' संस्था द्वारा आरंभ किया गया खेल साक्षरता प्रसार वाहन जिले के हरणा गांव पहुंचा। इससे पूर्व संस्था प्रतिनिधियों ने अतिरिक्त जिला कलक्टर अमानुल्लाह खान को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया। हरणा गांव में स्थानीय जनप्रतिनिधि, बच्चे, महिला पुरुषों ने उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखा व इसके बारे में जानकारी ली। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल आधारित डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई।

स्पोर्ट्स:ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ.कनिष्क पाण्डेय ने वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के द्वारा सम्बोधित करते हुए ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया। उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए आश्वस्त किया कि उनके गांव में प्रशाासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने व उपकरण दिलाने का प्रयत्न करेंगे।

उन्होंने बताया कि यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं द्वारा

जागरूकता वाहन खेलों के लिए कर रहा जागरूक

बूंदी| स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ संस्था का खेल साक्षरता प्रसार वाहन हरणा गांव पहुंचा। इससे पूर्व संस्था प्रतिनिधियों ने एडीएम एयू खान को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया। हरणा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों ने उत्सुकता से खेल साक्षरता वाहन के बारे में जानकारी ली। अध्यक्ष डॉ. कनिष्क पांडेय ने वीसी के जरिए ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रसार वाहन 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं की ओर से गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया था।

हरणा गांव पहुंचा जागरुकता खेल साक्षरता प्रसार वाहन

राजमार्ग संवाददाता

बूंदी, 10 अगस्त। ''स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ'' संस्था द्वारा आरंभ किया गया खेल साक्षरता प्रसार वाहन जिले के हरणा गांव पहुंचा। इससे पूर्व संस्था प्रतिनिधियों ने अतिरिक्त जिला कलक्टर अमानुल्लाह खान को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया। हरणा गांव में स्थानीय जनप्रतिनिधि, बच्चे, महिला पुरुषों ने उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखा व इसके बारे में जानकारी ली। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल आधारित डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। स्पोर्ट्स:ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ.कनिष्क पाण्डेय ने वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के द्वारा सम्बोधित करते हुए ओलम्पिक खेलों के बारे में बताया। उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए आश्वस्त किया कि उनके गांव में प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने व उपकरण दिलाने का प्रयत्न करेंगे। उन्होंने बताया कि यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। आज पूरा विश्व ओलम्पिक खेलों के जश्न में डूबा हुआ है, वहीं ''स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ'' एन.जी.ओ. ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है।

Sports : A Way of Life

T-6, 606-C, Gulmohar Greens Apartment, Mohan Nagar, Ghaziabad (U.P.)

kanishkasportswayoflife@gmail.com

sportswayoflife.org

0120 - 4567101